में समर्थ रहे हैं, किन्तु इस्पात संयंत्र कोक के उत्पादन के लिये कोकिंग कोयले में निम्न राख तत्व चाहते हैं। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि इस्पात संयंत्र उच्च राख के देशीय कोयले के साथ निम्न राख वाले आयातित कोयले को मिश्रित किये जाने के प्रयोजन से कोक-कर कोयले की अपनी कुल आवश्यकताओं का लगभग 25% आयात करते रहे हैं। इस्पात संयंत्रों तथा अन्य उद्योगों के लिये उच्छी गुणवत्ता वाले कोयले की गुणवत्ता में वृद्धि करने के संबंध में कुछ निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं :—

1. विद्यमान कोककर कोयला वाशरियों में संशोधन तथा आधुनिकीकरण।

2. इस्पात संयंत्रों के प्रयोग के लिये निम्न ग्रेड के मध्यम दर्जे के कोककर कोयले की धुलाई के लिये नई वाशरियों की स्थापना।

3. विद्युत तथा अन्य उद्योगों के लिये एक समान गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति किये जाने के लिये कोयला रख-रखाव संबंधी व्यवस्था किया जाना।

4. कोयला क्षेत्रों से 1000 किलो मीटर से अधिक दूरी पर स्थित कुछ विद्युत गृहों के लिये परिष्कृत कोयले की आपूर्ति किये जाने के लिये एकीकृत खान-एवं-कोयला परिष्करण परियोजनाओं की स्थापना करना।

कोयले का आयात

950. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष कितना-कितना कोयला आयात किया गया और किन-किन देशों से तथा कितने मूल्य पर आयात किया गया ;

(ख) क्या सरकार प्रत्यक्ष रूप से कोयले का आयात करती है अथवा वह राज्य व्यापार निगम या निजी पार्टियों के माध्यम से आयात किया जा रहा है ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान एस०टी०सी० तथा निजी पार्टियों के माध्यम से कितने कोयले का आयात किया गया है ; और

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान किन-किन निजी पार्टियों द्वारा कोयले का आयात किया गया और उन्हें कितनी राशि अदा की गयी ?

कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) से (घ) आयात तथा निर्यात मुख्य नियंत्रक द्वार, प्रस्तुत की गयी सूचना के अनुसार आयात एवं निर्यात नीति, 1990–93 (खण्ड-i की शर्तों के अन्तर्गत धातुकर्मी कोयले का आयात) जिसमें राख का तत्व 12% से कम हो) भाग-I, सूची-8, परिशिष्ट-6 की इन्दराज संख्या 286 के अन्तर्गत आता है। अतः इसका आयात बिना वास्तविक उपभोक्ता की शर्तों के स्वीकार्य है। धातुकर्मी कोक का आयात, जिसमें राख का तत्व 10% से कम हो तथा 'कोयला/कोक", जिसका अन्य स्थान पर उल्लेख नहीं किया गया हो, वे सीमित स्वीकार्य सूची (परिशिष्ट-3-ए) की क्रमशः इन्दराज सं. 299-ए तथा 144-ए के अन्तर्गत आती है। अतः इन मदों का आयात लघु क्षेत्र में वास्तविक उपभोक्ताओं को या तो पूरक लाइसेंस जारी करके अथवा एक्सिम सक्रिपस के एवज में किया जा सकता है।

कोयला मंत्रालय किसी भी तरह के कोयले का आयात नहीं करता है। किन्तु कोयला/कोक/ब्रिकेट्स आदि का वर्ष 1988–89 से वर्ष 1990–91 के वर्षों के दौरान किये गये आयात को दर्शाने वाला एक विवरण-पत्र नीचे दिया गया है, जो कि आयात एवं निर्यात

के मुख्य नियंत्रक के कार्यालय द्वारा प्रस्तुत किया गया है :—

मदों का वितरण	वर्ष	000 टन में मात्रा	कीमत लाख रु० में	उन बड़े देशों का नाम जिनसे आयात किया गया
कोयला, कोक एवं ब्रिकेट्स आदि	1988–89	4843	41971.06	जर्मन फैडरल रिपब्लिक, नार्वे, यू० के०, जापान, आस्ट्रेलिया, चीन पीआरपी, इन्डोनेशिया, पोलैंड, चीन, यू० एस० एस० आर०
	1989–90	4912	56195.17	
	1990–91	5996	77994.85	

कोककर कोयले का आयात अधिकांशत : भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड, विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र और टाटा एवं आयरन स्टील कं० लि० द्वारा किया जाता है । ऐसी निजी पार्टियों के संबंध में सूचना, जिन्होंने कोयले / कोक/ विकेट्स आदि का आयात किया है, तत्काल उपलब्ध नहीं है ।

Attacks on places of worship in Fiji

951. SHRI KRISHAN LAL SHARMA:
SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been in the recent past cases of attack on places of worship of people of Indian origin in Fiji;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps contemplated by Government to safeguard the lives and properties of Indians there?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) Government have been reports in the Press about cases of attacks on places of worship of people of Indian origin in Fiji.

According to these reports, two Hindu temples were firebombed and damaged in Suva in mid-September, 1991. The Chief Priest at the Sangam Hindu Temple at Nadi in Fiji was assaulted for alleged idol worship. On October 12, 1991, another Hindu temple at Tamavus about 3 kms. from Suva, is reported to have been firebombed. States and religious texts, such as the Ramayana, are reported to have been damaged/burnt in the attack.

(c) Government of India are concerned about the racial discrimination being practised against the people of Indian origin in Fiji and the violation of Human Rights of citizens of Fiji by the illegal Government. India has been vigorously pursuing the matter of racial discrimination and Human Rights violations in Fiji at concerned UN organisations. Human Rights bodies, Commonwealth Heads of Government meetings as well as in bilateral meetings with concerned counrties such as Australia, New Zealand, France, U.K., USA and Mauritius. India will continue to oppose the re-entry of Fiji into the Commonwealth.

Foreign Support to ULFA Militants

952. SHRI G. G. SWELL:
DR. NAGEN SAIKIA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have secured evidence that ULFA militants in Assam